RAF SECTOR
NEWS CLIP
22/01/20

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Hindustan , Aligarh (UP)

जमालपुर में प्रदर्शन को लेकर फोर्स रहा अलर्ट

अलीगढ़ | कार्यालय संवाददाता

सीएए, एनआरसी और एनपीआर के विरोध में बार-बार महिलाओं के सड़कों पर उतरने को लेकर सोमवार को जमालपुर में फोर्स अलर्ट रहा। फोर्स ने भीड़ नहीं जुटने दी। वहीं सीओ तृतीय के नेतृत्व में पुलिस व आरएएफ के जवानों ने जमालपुर में फ्लैग मार्च निकाला।

सीएए, एनआरसी और एनपीआर के विरोध में 17 जनवरी को जमालपुर में महिलाएं सड़कों पर उतर आई थीं। दोदपुर में भी महिलाएं एकत्रित हो गई थीं। दिल्ली के शाहीन बाग की तरह शहर में भी महिलाओं को बार-बार एकत्रित किए जाने की कोशिश की जा रही है। इसको लेकर पुलिस-प्रशासन अलर्ट हो गया है। महिलाओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए महिला पुलिस व महिला मजिस्ट्रेट भी लगाई गई हैं। पूर्व मंत्री ख्वाजा हलीम की कोठी के पास बार-बार महिलाएं एकत्रित होने पर अब कोठी के बाहर पुलिस पिकैट भी तैनात कर दी गई है।

सोमवार को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलिमीन के बैनर तले जमालपुर में महिलाओं की भीड़ एकत्रित होने की सूचना मिलते ही सीओ तृतीय अनिल समानिया फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। इस दौरान सीओ के नेतृत्व में जमालपुर क्षेत्र में पुलिस व आरएएफ के जवानों ने फ्लैग मार्च निकालकर शांति का संदेश दिया।

Hindustan , Aligarh (UP)

जमालपुर में सोमवार को आरएएफ के जवान तैनात रहे। यहां फोर्स ने फ्लैगमार्च भी निकाला। ● हिन्दुस्तान

Bhopal (MP)

मंडे पॉजिटिव ■ आरएएफ कैंपस में 2500 पौधे लगे हैं...इन्हें बचाए रखने के लिए कारगर रही नई तकनीक

99% पौधे सुरक्षित, 5 दिन में 18 हजार ली. पानी की बचत भी

अनूप दुबे | भोपाल

पौधरोपण करना आसान है...लेकिन असली चुनौती है उन पौधों की देखभाल। बंगरसिया स्थित रैपिड एक्शन फोर्स कैंपस(आरएएफ) में कुछ ऐसा तरीका ईजाद किया है, जिससे कि पौधों को समय-समय पर उनकी जरूरत का पानी मिल सके और वे पनप पाएं। बारिश में लगाए गए इन पौधों में से करीब 99% सुरक्षित हैं। आरएएफ ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि के साथ मिलकर करीब ढाई हजार पौधे पूरे कैंपस में लगाए हैं। आरएएफ के सेकंड एंड कमांड संजय शर्मा ने बताया कि बारिश के बाद पौधों को लगातार तीन साल देखभाल की जरूरत होती है। इसके लिए पानी और मैन पॉवर की काफी जरूरत होती है। इसी के समाधान के लिए प्लास्टिक की बोतलों का उपयोग किया है। पहले पौधों को रोजाना पानी देना पड़ता था। इस पर करीब रोज 4 हजार लीटर पानी खर्च होता था। लेकिन इस तकनीक से 5 दिन में एक बार ही पानी पौधों को देना होता है। वह भी सिर्फ 2000 लीटर। यानी 18 हजार लीटर पानी की बचत।

इस तरह मिलता है जरूरत का पानी -: एक पौधे के पास दो फीट की लकड़ी पर दो लीटर की प्लास्टिक बॉटल टांगी। पौधे को पानी देने के साथ ही बोतल में दो जवान पानी भरते हैं। बोतल के ढक्कन में से बहुत छोटा छेद करने से उसमें से धीरे-धीरे पानी जमीन पर गिरता रहता है। इससे पेड़ को जरूरत के अनुसार थोड़ा-थोड़ा पानी मिलता रहता है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि की पहल

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि के सदस्य देशभर में अपने सेंटर के माध्यम से शहरों में पौधारोपण कर रहे हैं। अब तक प्रदेशभर में ही 2 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। भोपाल में ही 26 हजार 760 पौधों का रोपण किया जा चुका है। गुलमोहर कॉलोनी सेवाकेंद्र प्रभारी डॉ.रीना बहन ने बताया कि देश में हरियाणा के बाद सर्वाधिक वृक्षारोपण के मामले में गुलमोहर सेंटर को केंद्र सरकार की तरफ से दूसरा पुरस्कार मिला है।

Meerut (UP)

जम्मू के जवानों ने मेरठ में लिया सुरक्षा का मंत्र

रैपो में प्रशिक्षण लेते जम्मू कश्मीर पुलिस के जवान।

आरएएफ की 108 बटालियन स्थित अकादमी ऑफ पब्लिक ऑर्डर (रैपो) में 300 जवान ले रहे हैं प्रशिक्षण

मेरठ। क्रांतिधरा पर जम्मू कश्मीर पुलिस पहली बार दंगा नियंत्रण प्रबंधन का प्रशिक्षण ले रही है। आरएएफ की 108 बटालियन स्थित अकादमी ऑफ पब्लिक ऑर्डर (रैपो) मेरठ में 300 जवान प्रशिक्षण के लिए आए हैं। आठ जनवरी से शुरू हुए 12 दिन के इस विशेष प्रशिक्षण अभियान में आरएएफ के कमांडेंट शैलेंद्र कुमार, दूत्तिय कमान अधिकारी केएम बुनकर, असिस्टेंट कमांडेंट सोनिया सिंह और व अन्य प्रशिक्षित अधिकारियों ने दंगा नियंत्रण प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया। जम्मू कश्मीर पुलिस के जवानों ने कहा कि मेरठ में यह सुरक्षा का मंत्र उन्हें काम आएगा। आज मंगलवार को प्रशिक्षण के दौरान आरएएफ के आईजी अरुण कुमार भी मौजूद रहेंगे।

रैपो में भीड़ नियंत्रण पर 12 दिवसीय इंटरनेशनल कोर्स 8 जनवरी से शुरू हुआ था। जिसमें जम्मू कश्मीर पुलिस के 300 जवानों को ट्रेनिंग दी गई। प्रशिक्षण में बताया गया कि दंगे में क्या करना चाहिए। हालात को कैसे भांपना चाहिए। हिंसक भीड़ गोलियां चला रही है, तो उसे कैसे संभालना चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान जवानों को बताया गया कि दंगे में जो काम पुलिस और दूसरे अर्धसैनिक बल नहीं कर पाते उसको आरएएफ जवान पूरा करते हैं। यही कारण है कि देश में कहीं भी दंगा होता है तो सबसे पहले आरएएफ को बुलाया जाता है। क्राउड कंट्रोल मैनेजमेंट के लिए आरएएफ के पास वज्र वाहन, बुलेट प्रूफ वाहन, वाटर कैनन वाहन मुख्य हैं।

आरएएफ के पास पांच विकल्प

आरएएफ पांच विकल्प लेकर चलती है। पहला विकल्प चेतावनी। दूसरा विकल्प आंसू गैस के गोले। इसके बाद भी भीड़ नहीं हटती है तो तीसरा विकल्प लाठीचार्ज का होता है। चौथे विकल्प में तौर पर आरएएफ वाटर कैनन का प्रयोग करती है। आखिरी विकल्प है फायरिंग। भीड़ कितनी भी उग्र हो, लेकिन किसी की जान लेना मकसद नहीं है। 45 डिग्री कोण से 90 डिग्री कोण पर ही फायरिंग करनी चाहिए।

Photos of Deployment/ Fam-Ex Of RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।